Description of articles	Countries from where imported	Qty. in Kg.	Value (Rs. in lakhs)
Fruit seeds	Israel, USA	13647	59.65
Other seeds	China, Chinese, Taipei, Denmark, Egypt, France,Germany, Israel, Italy, Japan, Korea, Netherlands, Thailand, USA, U.K.	29762	152.10
	TOTAL:	6705017	3062.33

Please Note: The above list of items includes seeds not imported for the purpose of sowing.

कृषि क्षेत्र में पूंजी निवेश

4431. **श्री अजीत जोगी:** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों के दौरान कृषि क्षेत्र में कितना पूंजी निवेश किया गया है;

(ख) क्या क्षेत्र में पूनजी निवेश किये जाने के संबंध में पहले ही प्रतिकूल परिस्थितियां थीं;

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है;

(घ) पिछले दशक के दौरान कृषि क्षेत्र में किये गये निवेश की में तुलना क्षेत्र के सकल निवेश में कितनी कमी आई है; और

(ङ) सरकार ने पूंजी निवेश बढ़ाने के लिये या कदम उठाए हैं?

कृषि मंत्री (श्री चतुरानन मिश्र): (क) गत 3 वर्षों के दौरान कृषि क्षेत्र में पूंजी निवेश संबंधी जानकारी निम्नानुसार है:

1980-81 मूल्यों पर कृषि में सकल पूंजी निर्माण

(करोड़ रुपए)

वर्ष	सार्वजनिक क्षेत्र	गैर-सरकारी क्षेत्र	कुल
1993-94	1153	3885	5038
1994-95	1329	4349	5678
1995-96	1310	4991	6301

(ख) और (ग) आर्थिक सुधारों और संरचनात्मक समायोजन के युग से पहले से विद्यमान उद्योग को लाइसेंसों के रूप में अत्यधिक सुरक्षा दिया जाना, कृषि जिंसों में आंतरिक तथा बाहरी व्यापार पर अधिक सीमा-शुल्क, नियंत्रण तथा विनियमन, विनियम की अधिक आंकी गई दर आदि कृषि में कम लाभप्रदता के लिये उत्तरदायी थे और इंहीं कारणों से कृषि में निवेश भी कम रहा। आर्थिक सुधारों के शुरू किये जाने के उपरांत अधिकतर नियंत्रण और विनियमन हटा लिये गये है।

(घ) दसवें दशक के दौरान कृषि क्षेत्र में सकल पूंजी निर्माण नौवें दशक की इसी अवधि की तुलना में सामांयता अधिक रहा है। 1980-81 से कृषि में सकल पूंजी निर्माण दशनि वाला ब्यौरा विवरण में दिया गया है। **(नीचे देखिये)**।

(ग) कृषि क्षेत्र सहित अर्थव्यवस्था के उदारीकरण के लिये विभिन्न कदम उठाए गये हैं कृषि के संदर्भ में इनमें से कुछ प्रमुख देश में खाद्यान्नों के संचलन पर प्रतिबंध को हटाना चावल और गेहूं जैसे कृषि उत्पादों का निर्यात तथा न्यूनतम निर्यात मूल्य हटाना आदि हैं। इसके अतिरिक्त, कृषि में निवेश पर जोर पहले किये गये निवेश को सही दिशा देना है। कृषि में पूंजी निर्माण में वृद्धि करने की नीति में योजनागत परिव्यय में वृद्धि तथा बुनियादी सुविधाओं के विकास में मात्रात्मक वृद्धि, उत्पादकता बढ़ाने के लिये संसाधनों का अधिक कुशल उपयोग तथा किसानों के लिये लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करना शामिल हैं ताकि वे बचत राशि का अधिक निवेश के लिये उपयोग कर सकें। नाबार्ड में एक नई ग्रामीण बुनियादी सुविधा विकास निधि स्थापित

की गई है ताकि मध्यम और लघु सिंचाई तथा मृदा संरक्षण परियोजना के लिये ऋण मुहैया किया जा सके। त्वरित सिंचाई विकास कार्यक्रम की एक योजना भी शुरू की गई है ताकि चुनिंदा बड़ी और बहुउद्देशीय सिंचाई परियोजनाओं को समय पर पूरा किये जाने के लिये ऋणों के माध्यम से राज्यों को सहायता प्रदान की जा सके।

विवरण

कृषि में सकल पूंजी निर्माण
(अखिल भारत)

(करोड़ रुपये)

वर्ष	वर्तमान मूल्यों पर	1980-81 मूल्यों पर
1	2	3
1980-81	4636	4636
1981-82	5107	4503
1982-83	5734	4590
1983-84	5620	4101
1984-85	6475	4549
1985-86	7016	4325
1986-87	7045	4011
1987-88	8389	4414
1988-89	9063	4346
1989-90	10025	4353
1990-91	11592	4594
1991-92	13390	4729
1992-93	16614	5372
1993-94	17009	5038
1994-95	20737	5678
1995-96*	24937	6301

* = सरसरी तौर पर लगाए गए अनुमान।

Report of the NHRC on Starvation Deaths in Orissa

4432. SHRI SANATAN BISI: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether the National Human Rights Commission (NHRC) has submitted its report regarding starvation deaths in Orissa; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI CHATURANAN MISHRA): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

Supply of Subsidies Fertiliezers to Orissa

4433. SHRI BHAGABAN MAJHI: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the amount of subsidised fertilizers demanded and supplied to the